अमरत्व
शिक्षक सहायक पुस्तिका–4

पाठ 1. कबीर वाणी

- **पाठ उद्देश्य**–कबीर के नीति के दोहों से परिचित कराना। दोहों से शिक्षा ग्रहण कराना।
- **पाठ सार**–कबीर कहते हैं कि उनके सामने गुरु और भगवान खड़े हैं। वे किसके चरण स्पर्श करें। वे कहते हैं कि गुरु धन्य हैं जिन्होंने भगवान को जानने का ज्ञान दिया। ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जिससे मन से अहंकार मिट जाए, दूसरों को भी अच्छा लगे और स्वयं को भी अच्छा लगे। खजूर के समान बड़ा होने का कोई लाभ नहीं है। इससे यात्री को छाँव नहीं मिलती है। इसके फल भी बहुत उँचाई पर लगते हैं। मैं बुरे व्यक्ति को ढूँढ़ने निकला। मुझे कोई भी बुरा नहीं मिला। जब मैंने अपने मन में झाँका तो मुझे अपने से बुरा कोई नहीं मिला। कल करने वाले काम को आज ही कर लेना चाहिए। पल में प्रलय हो जाएगी। फिर कब काम करोगे? न अधिक बोलना चाहिए और न अधिक चुप ही रहना चाहिए। वर्षा का अधिक होना हानिकारक होता है। अधिक धूप भी अच्छी नहीं होती।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) गुरु और ईश्वर में गुरु का स्थान ऊँचा है।
   (ख) कबीर को मीठी वाणी बोलने की सलाह दी है।
   (ग) खजूर का पेड़ न तो छाया देता है और फल ही देता है।
   (घ) 'बड़ा हुआ तो क्या हुआ' दोहे में।
2. वाणी बोलिए मन का आपा

आपहुं शीतल होय
बड़ा हुआ तो क्या
फल लागे अति दूर
बुरा न मिलिया कोय
जो मन देखा आपणां
सो आज कर, आज करे सो
पल में परलय होगी बहुरि

3. सभी दोहों के अर्थ 'पाठ सार' में दे दिए गए हैं।
4. (क) मधुर वाणी बोलनी चाहिए।
   (ख) मन में अच्छे विचार लाने चाहिएँ।
   (ग) अपना काम स्वयं करना चाहिए।
   (घ) आज बहुत गर्मी है।
   (ङ) मेरा बड़ा भाई कल आएगा।
5. (क) कल (ख) छोटा
   (ग) भला (घ) पुराना।
6. (क) इससे मन को शांति मिलती है।
   (ख) पता नहीं कब मृत्यु हो जाए।
   (ग) अधिक बोलना, अधिक चुप रहना, अधिक वर्षा होना और अधिक धूप होना।
7. (क) मानस, दिल सोच (ख) वृक्ष, पादप, तरु
   (ग) स्वर, आवाज़, ध्वनि।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) मधुर वाणी सुनने वालों को सुखद लगती है। इसका प्रभाव स्वयं पर भी पड़ता है। इससे तनाव नहीं रहता।

(ख) कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं होता जिसमें कोई भी बुराई नहीं हो। उन्होंने स्वयं को देखा तो स्वयं भी बहुत बुराइयाँ मिलीं।

पाठ 2. शेर और खरगोश

- **पाठ उद्देश्य**–बुद्धिमानी से अपने से अधिक शक्तिशाली को हराया जा सकता है, इस भाव से परिचित कराना।
- **पाठ सार**–एक क्रूर शेर जंगल के जानवरों को खा जाता था। जानवरों ने मिलकर सलाह की। सब मिलकर शेर के पास गए। शेर ने उनके आने का कारण पूछा। लोमड़ी ने कहा कि आप प्रतिदिन जानवरों को मार देते हैं। एक दिन आपके लिए कोई भी जानवर नहीं बचेगा। बंदर ने कहा कि आप जानवरों को मार देते हैं परंतु सबको खा नहीं पाते। इससे आपके शिकार का हिस्सा नष्ट हो जाता है। हम प्रतिदिन एक जानवर आपके पास भेज देंगे। आप उसे खा लेना। खरगोश ने भी कहा कि ऐसा न हो कि एक दिन आपको खाने के लिए कोई जानवर ही न मिले। शेर प्रतिदिन एक जानवर खाने के प्रस्ताव से सहमत हो गया। प्रतिदिन एक जानवर इसके पास जाने लगा एक दिन खरगोश की बारी आई। वह जान-बूझकर विलंब से गया। शेर ने इसका कारण पूछा तो उसने कहा कि रास्ते में दूसरे शेर ने उसे रोक लिया था। वह उसके साथी चार खरगोशों को खा गया है। शेर को गुस्सा आया। वह खरगोश के साथ चल पड़ा। खरगोश उसे कुएँ के पास ले गया। शेर ने कुएँ में अपनी परछाई देखकर उसे दूसरा शेर समझ लिया। वह उस पर झपटा

और कुएँ में कूदकर मर गया। खरगोश ने बुद्धिमानी से जानवरों की रक्षा की।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) जानवर इसलिए भयभीत थे क्योंकि शेर प्रतिदिन अनेक जानवरों को मार डालता था।
   (ख) सभी जानवर मिलकर शेर के पास पहुँचे।
   (ग) लोमड़ी ने कहा कि यदि आप प्रतिदिन जानवरों को मारते जाएँगे तो एक दिन आपके लिए कोई जानवर नहीं बचेगा।
   (घ) खरगोश द्वारा दूसरे शेर के विषय में जानकर शेर क्रोधित हो उठा।
2. (क) लोमड़ी ने शेर से कहा।
   (ख) खरगोश ने शेर से कहा।
3. (क) कमज़ोर (ख) जाना
   (ग) नौकर (घ) अनुमति
   (ङ) अधिक (च) बड़ा।
4. (क) क्रोधित होना–ईशा छोटी सी बात पर आग बबूला हो जाती है।
   (ख) प्रभाव न होना–शोभित पहलवान के आगे कमज़ोर किसान की एक न चली।
   (ग) मार देना–आतंकवादियों ने चार मज़दूरों को मौत के घाट उतार दिया।
   (घ) हरा देना–फुटबॉल मैच में हमारे विद्यालय ने ग्रीनवेज़ स्कूल को परास्त कर दिया।
5. (क) भारी-भारी, सारी-सारी
   (ख) सपने-सपने, जपने-जपने
   (ग) अनेक-अनेक, लेख-लेख।

6. (क) डर, आतंक, खौफ़ (ख) मर्कट, वानर, कपि
   (ग) नृप, नरेश, महीप (घ) अक्ल, मति, विवेक
7. (क) उसने शेर को कुएँ में डुबोकर मार देने की युक्ति सोची।
   (ख) उसने बताया कि उसे रास्ते में दूसरा शेर मिल गया था। वह उससे जान बचाकर आया था।
   (ग) खरगोश ने शेर को बताया कि रास्ते में दूसरा शेर मिला था जो उसके चार साथी खरगोशों को खा गया। शेर क्रोधित होकर उसके साथ चला। खरगोश ने कहा कि दूसरा शेर कुएँ में है। शेर ने कुएँ में अपनी परछाई देखकर उसे दूसरा शेर समझा। वह उसे मारने कूदा और मर गया।
8. (क) शेरनी (ख) रानी
   (ग) महारानी (घ) हथिनी।
9. (क) जानवर भयभीत थे।
   (ख) शेर को भूख लगी थी।
   (ग) खरगोश चालाक था।
   (घ) जानवरों की हालत खराब थी।
   (ङ) निकट ही कुआँ था।
   (च) कुएँ में गहरा पानी था।
10. (क) शेर (ख) अपनी परछाईं
   (ग) खरगोश (घ) शेर को
   (ङ) खरगोश को

मूल्याधारित प्रश्न

(क) मैं खाना खाकर कुछ देर के लिए आराम करता हूँ।
(ख) मैं इस बात से पूरी तरह सहमत हूँ क्योंकि मुसीबत का सामना बुद्धिमानी से ही किया जा सकता है।

पाठ 3. तुलसी

- **पाठ उद्देश्य**–विद्यार्थियों को तुलसी के पौधे के गुणों और महत्व से परिचित कराना।
- **पाठ सार**–खेलते अमन की गेंद तुलसी के पौधे पर गिर गई। दादा जी ने उसे तुलसी के पौधे के गुणों और धार्मिक महत्व के विषय में समझाया। तुलसी समस्त दोषों को दूर करती है। इसकी पूजा के बिना विष्णु और कृष्ण जी की पूजा अधूरी रहती है। इससे हनुमान जी प्रसन्न रहते हैं और यमदूत नहीं आता। चाय में इसके पत्ते डालकर पीने से बुखार में आराम मिलता है। इसमें रोगों को रोकने की शक्ति होती है। इसकी दो प्रजातियाँ होती हैं–1. रामा 2. श्यामा। रामा तुलसी के पत्ते हरे होते हैं। श्यामा तुलसी के पत्ते काले होते हैं। यह कीटनाशक होती है। इसका प्रयोग दवाओं में होता है। रविवार, एकादशी और चंद्रग्रहण के दिन इसके पत्ते नहीं तोड़ते।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) तुलसी की पूजा के बिना भगवान विष्णु और श्री कृष्ण की पूजा अधूरी रहती है।
   (ख) रविवार, एकादशी और चंद्रग्रहण के दिन तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ते।
   (ग) 'रामा' और 'श्यामा' नामक तुलसी की दो प्रजातियाँ होती हैं।
   (घ) तुलसी का पौधा कीटनाशक, पवित्र और दवा के रूप में लाभदायक होता है।
2. (क) अवगुण (ख) नरक
   (ग) अधार्मिक (घ) हानि
   (ङ) पुण्य।

3. (क) तुलसी का पौधा गुणकारी होता है।
   (ख) तुलसी के पत्तों का सेवन चाय में डालकर करते हैं।
   (ग) तुलसी को पवित्र मानते हैं।
   (घ) तुलसी के पत्ते रोग मुक्त करते हैं।
   (ङ) पुण्य करके स्वयं प्राप्त करते हैं।
   (च) तुलसी में अनेक गुण होते हैं।
   (घ) तुलसी की पूजा की जाती है।
   (ज) गंगाजल को पवित्र मानते हैं।

4. (क) कपीश, महावीर, बजरंग बली
   (ख) शुद्ध, पुनीत, पावन
   (ग) सुरलोक, देवलोक, इंद्रलोक
   (घ) शाम, सायंकाल, संधिकाल
   (ङ) इंदु, हिमांशु, विधु।

5. (क) बच्ची सो रही है। (ख) दादी जी अखबार पढ़ रही हैं। (ग) बेटी कहानी सुन रही है। (घ) पुजारिन पूजा कर रही है। (ङ) प्रिया ने देवी पर फूल चढ़ाए।

6. (क) सनातन धर्म के अनुसार तुलसी की पूजा के बिना भगवान विष्णु, श्री कृष्ण और हनुमान जी की पूजा अपूर्ण होती है।
   (ख) तुलसी के पत्तों का नियमित सेवन रोगों से बचाता है।
   (ग) 'श्यामा' तुलसी अधिक गुणकारी होती है।

7. (क) हाँ (ख) हाँ
   (ग) नहीं (घ) हाँ
   (ङ) हाँ (च) हाँ।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) यह चर्चा करने का प्रश्न है। कक्षा में चर्चा कराएँ।

(ख) जंगल वायु, प्रदूषण को रोकते हैं। यहाँ वन्य जीव रहते हैं। जंगल नहीं रहेंगे तो वायु प्रदूषण बढ़ेगा, वन्य जीव जीवित नहीं बचेंगे।

पाठ 4. खुदीराम बोस

- **पाठ उद्देश्य**–स्वतंत्रता आंदोलन में खुदीराम बोस की भूमिका से अवगत कराना।
- **पाठ सार**–खुदीराम बोस का जन्म 3 दिसंबर 1889 को मिदनापुर के गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम त्रैलोक्यनाथ बोस और माता का नाम लक्ष्मीप्रिय देवी था। खुदीराम बोस स्कूल के दिनों से स्वतंत्रता-संग्राम में भाग लेने लगे। उन्होंने कई पुलिस स्टेशनों के आगे बम रखे और 'वंदे मातरम्' के पर्चे बाँटे। उन्होंने न्यायाधीश किंग्ज़ फ़ोर्ड को मारने के लिए बग्घी पर बम फ़ैंका। किंग्ज़ फ़ोर्ड बग्घी में नहीं था। उसमें दो महिलाएँ बैठी थीं जो मारी गईं। खुदीराम को अपनी भूल पर दु:ख हुआ। पुलिस ने खुदीराम बोस को पकड़ा। 11 अगस्त 1908 को उन्हें फाँसी दे दी गई।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) खुदीराम बोस का जन्म 3 दिसंबर 1889 को मिदनापुर के गाँव में हुआ था।

   (ख) उनकी माता का नाम लक्ष्मीप्रिय देवी और पिता का नाम त्रैलोक्यनाथ बोस था।

   (ग) उनका पालन-पोषण उनकी बड़ी बहन ने किया था।

   (घ) युवाओं में अंग्रेज़ों के विरुद्ध आक्रोश था क्योंकि वे अत्याचार करते थे।

2. (क) नौवीं (ख) सत्येन बोस
(ग) वंदे मातरम् (घ) सन् 1905
(ङ) शहादत।

3. (क) भारतीय आज़ादी चाहते थे।
(ख) खुदीराम बोस ने शहादत दे दी।
(ग) खुदीराम बोस के विरुद्ध सबूत नहीं मिलते थे।
(घ) खुदीराम बोस को मृत्यु दंड दिया गया।
(ङ) अंग्रेज़ों ने क्रांतिकारियों को मौत के घाट उतार दिया।

4. (क) हाँ (ख) नहीं
(ग) नहीं (घ) हाँ
(ङ) हाँ

5. (क) अंदर (ख) गुलामी
(ग) मुलायम (घ) अधिक
(ङ) जाना (च) बूढ़ा।

6. (क) सरकार के विरुद्ध बढ़ते विरोध को दबाने के लिए सन् 1905 में बंगाल का विभाजन किया गया।
(ख) खुदीराम बोस को 11 अगस्त 1908 को फाँसी दी गई।
(ग) 'वंदे मातरम्' क्रांतिकारियों का प्रिय गीत था। लोगों को जागरूक करने के लिए इसके पर्चे बाँटे गए।

7. (क) युद्ध, रण, समर (ख) शहादत, बलि, बलिदान
(ग) स्वप्न, सपना, कल्पना। (घ) गृह, भवन, निकेतन।

8. (क) थे (ख) था
(ग) थे (घ) था।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) देश के विकास के लिए मैं तन-मन-धन से योगदान करूँगा।

(ख) मैं इस कथन से पूरी तरह सहमत हूँ। हमारे लिए सबसे पहले राष्ट्र होना चाहिए। उस पर सर्वस्व न्यौछावर कर देना चाहिए।

पाठ 5. एक बूँद

- **पाठ उद्देश्य**–जीवन में कुछ प्राप्त करने के लिए कुछ त्याग करने पड़ते हैं। इसे स्पष्ट कराना।
- **पाठ सार**–बादलों से निकलकर बूँद सोचने लगी कि वह बचेगी या धूल में मिल जाएगी। वह किसी अंगारे पर गिरकर जल जाएगी या कमल के फूल पर गिरेगी। उसी समय तेज़ हवा बहने लगी। बूँद सीप के खुले मुँह में गिरकर मोती बन गई। लोग घर छोड़ते समय यूँ ही चिंता करते हैं। घर का छोड़ना उन्हें उपलब्धियाँ दे देता है।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) एक बूँद बादलों की गोदी से निकली।

   (ख) बूँद को अपने भविष्य का डर सता रहा था कि उसका क्या होगा। वह घर छोड़कर क्यों निकली?

   (ग) तेज़ हवा के कारण बूँद सीप के मुँह में गिर गई।

   (घ) सीप के मुँह में गिरकर वह मोती बन गई।

2. (क) बादलों की (ख) सागर में

   (ग) तेज़ हवा चली (घ) सीप का

   (ङ) मोती बन गई।

3. उस काल एक ऐसी हवा, आई अनमनी, सुंदर सीप का था, जा गिरी मोती, हैं झिझकते, उनको छोड़ना पड़ता है घर, किंतु घर का छोड़ना अक्सर, लौं कुछ और ही देता है कर।

4. पड़ाव, झिझक, मिलान, जलन, सोच।

5. (ख) सागर, जलधि (ग) पुष्प, सुमन
   (घ) जलन, ललित (ङ) गृह, निकेतन
   (च) पवन, वायु।

6. (क) बूँद बादलों की गोद से निकलकर आई थी।
   (ख) उसने प्रार्थना की कि क्या वह बचेगी या धूल में मिलेगी, अंगारे पर गिरकर जलेगी या कमल के फूल पर गिरेगी।
   (ग) बूँद अपने भविष्य के विषय में चिंतित थी। इसी प्रकार मनुष्य में चिंतित थी। इसी प्रकार मनुष्य भी अपने भविष्य को लेकर चिंतित रहता है। दोनों में यही समानता है।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) संसार में कुछ भी प्राप्त करने के लिए परिश्रम ही एकमात्र मार्ग होता है।

(ख) बूँद के समान मनुष्य भी कई बार दुविधा में पड़ जाता है। वह चिंतित होकर घबरा जाता है।

(ग) हाँ, देवता, समय।

पाठ 6. ऊँचा खड़ा हिमालय आकाश चूमता है।

- **पाठ उद्देश्य**–मातृभूमि भारत के विविध रूपों से अवगत कराना।
- **पाठ सार**–भारत के एक ओर ऊँचा हिमालय है और उसके पाँवों को समुद्र चूमता है। इसमें गंगा, यमुना आदि नदियाँ लहरा रही

हैं। यह मेरी पुण्यभूमि, जन्मभूमि, स्वर्णभमि, मातृभूमि है। इसकी पहाड़ियों में झरने बहते हैं, झाड़ियों में चिड़ियाँ चहकती हैं, आमों के बगीचों में कोयल कुहकती है। मलय पर्वत की सुगंधित हवा तन-मन को सजाती है। यह मेरी धर्मभूमि, कर्मभूमि, जन्मभूमि और मातृभूमि है। यहाँ श्री राम, सीता ने जन्म लिया था। श्री कृष्ण ने यहाँ बाँसुरी बजाई थी, पवित्र गीता का ज्ञान दिया था। गौतम बुद्ध ने इसका यश बढ़ाया था, संसार को दया का मार्ग दिखाया था। यह मेरी युद्धभूमि है, वह बुद्धभूमि है, वह जन्मभूमि है, यह मातृभूमि है।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) कवि ने भारत भूमि की बात की है।
   (ख) क्योंकि भारत में पवित्र नदियाँ बहती हैं।
   (ग) पृण्यभूमि, जन्मभूमि, स्वर्णभूमि, मातृभूमि, और बुद्धभूमि।
   (घ) भारत की हवा मलय पर्वत से आने वाली सुगंधित हवा है। वह हमारे जीवन को संवारती है।

2. रघुपति, थीं सीता,
   सुनाई, पुनीत गीता,
   गौतम ने जिसका सुयश
   दिखाई दिया दिखाया।

3. (क) उत्तर में (ख) भारत देश की
   (ग) नदी (घ) सभी
   (ङ) बौद्ध धर्म।

4. (ख) सागर, समुद्र (ग) पिक, कोकिला
   (घ) हवा, वायु (ङ) संसार, विश्व।

5. झाड़ियाँ, सँवारती, बुद्धभूमि, दिखाया।

6. (क) पूण्यभूमि, जन्मभूमि, स्वर्णभूमि, मातृभूमि।

(ख) गौतम बुद्ध बौद्ध धर्म के प्रवर्तक थे। उन्होंने अहिंसा और करुणा के उपदेश दिए।

(ग) भारत को स्वर्णभूमि इसलिए कहा गया है क्योंकि यह समस्त प्रकार के सुखों से पूर्ण है। यहाँ भाँति-भाँति के खनिज मिलते हैं, यहाँ प्रकृति ने अपना सौंदर्य बिखेरा हुआ है।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) भारत जैसे महान देश में जन्म सौभाग्य से मिलता है। मैं स्वयं को धन्य मानता हूँ।

(ख) गीता का मुख्य उपदेश है निष्काम कर्म करना। यह केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं है। गीता जीवन को उचित ढंग से जीना सिखाती है। इसका ज्ञान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में दिया था।

(ग) यहाँ की पहाड़ियों में अनेक झरने बहते हैं। यहाँ के पेड़-पौधों-झाड़ियों में चिड़ियाँ चहकती हैं।

पाठ 7. तेनाली राम

◆ **पाठ उद्देश्य**–तेनालीराम की बुद्धिमत्ता से परिचित कराकर विद्यार्थियों को प्रेरित कराना।

◆ **पाठ सार**–तेनालीराम राजा कृष्ण देव राय के मुख्य सलाहकार थे। वे अपनी बुद्धिमत्ता के कारण प्रसिद्ध थे। राजा कृष्ण देव राय के जन्म-दिन पर फूलदान भी मिले थे। एक दिन नौकर से एक फूलदान टूट गया। राजा ने नौकर को मृत्युदंड का आदेश दे दिया। तेनालीराम को यह अच्छा न लगा। उन्होंने राजा से नौकर को क्षमा

करने का अनुरोध किया। राजा नहीं माने। अगले दिन नौकर को फाँसी होने वाली थी। तेनालीराम बंदीगृह पहुँचे। नौकर ने रो-रोकर उनसे प्राण बचाने की प्रार्थना की। तेनालीराम ने नौकर के कान में कुछ कहा। अगली सुबह नौकर को फाँसी देने के लिए लाया गया। राजा ने उसकी अंतिम इच्छा पूछी। बाकी बचे तीन फूलदानों को देखने की इच्छा प्रकट की। जब फूलदान आए तो नौकर ने उन्हें पटककर तोड़ डाला। राजा ने क्रोधित होकर इसका कारण पूछा। नौकर ने कहा कि किसी न किसी दिन ये फूलदान भी किसी से टूट जाने थे। आप उन्हें भी मृत्युदंड दे देते। मैंने इन्हें तोड़कर उन तीनों के प्राण बचा लिए हैं। राजा ने नौकर को क्षमा कर दिया। राजा समझ गए कि तेनालीराम ने नौकर को समझाया होगा। उन्होंने तेनालीराम को पुरस्कृत किया क्योंकि उन्होंने राजा को अन्याय से बचा लिया था।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) कृष्ण देव राय (ख) तेनाली राम
   (ग) राजा कृष्ण देव राय के जन्म-दिन पर
   (घ) राजा को फूलदान सबसे अधिक पसंद आए।
2. (क) प्रजा (ख) मूर्खता
   (ग) नफ़रत (घ) न्याय
   (ङ) अनिच्छा।
3. (क) आँखें (ख) फ़ैसले
   (ग) बधाइयाँ (घ) मौके।
4. (क) नहीं (ख) हाँ
   (ग) नहीं (घ) नही
   (ङ) हाँ (च) हाँ।

5. (क) नृप, नरेश (ख) बड़ाई, स्तुति
(ग) सखा, दोस्त (घ) भेंट, तोहफ़ा
(ङ) नयन, नेत्र

6. (क) नौकर ने फूलदान तोड़ दिया था इसलिए राजा ने उसे मृत्युदंड दिया।
(ख) नौकर के कानों में युक्ति सुझाकर उसकी जान बचाई।
(ग) अन्याय करने से बचा लेने पर।

7. (क) क्रोधित होना–फूलदान टूटने पर राजा आग बबूला हो गया।
(ख) होश खोना–नौकर की बदतमीज़ी पर मालिक ने आपा खो दिया।

8. (क) बुद्धिमत्ता, वाक् चातुर्य।
(ख) बेशकीमती (ग) बंदीगृह
(घ) बिलख-बिलखकर (ङ) फाँसी।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) बोलने की चतुरता को वाक्चातुर्य कहते हैं। यह कला है। सब इस कला में पारंगत नहीं होते। तेनालीराम इस कला में पारंगत थे। यह कला व्यक्ति को सफलता दिलाती है।

(ख) कठिन परिस्थितियाँ व्यक्ति को विचलित कर देती हैं। संकट की इस स्थिति में व्यक्ति को बुद्धि और विवेक से काम लेना चाहिए। इससे वह कठिन परिस्थितियों पर विजय प्राप्त कर लेता है।

पाठ 8. गिलहरी प्रयास

- **पाठ उद्देश्य**–किसी कार्य में छोटे-से-छोटा योगदान भी महत्वपूर्ण होता है। इस भाव से अवगत कराना।
- **पाठ सार**–राक्षसराज रावण ने सीता का अपहरण करके उन्हें अशोक वाटिका में बंदी बना लिया था। सीता को मुक्त कराने के लिए समुद्र में लंका तक सेतु बनाया जाने लगा। वानर सेना सेतु बनाने लगी। छोटी-सी गिलहरी छोटे-छोटे कंकड़ उठाकर समुद्र में डाल रही थी। एक वानर ने उसका उपहास उड़ाया। अन्य वानर भी गिलहरी को तंग करने लगे। श्री राम ने लक्ष्मण को यह दृश्य दिखाया। दोनों गिलहरी के पास गए। उन्हें देखकर गिलहरी ने रोते हुए वानरों की शिकायत की। श्री राम ने वानरों को गिलहरी द्वारा लाए कंकड़ों का महत्व बताया। श्री राम ने गिलहरी से कंकड़ लाने का कारण पूछा। गिलहरी ने कहा कि वह इस शुभ कार्य में यथाशक्ति अपना योगदान कर रही थी। श्री राम गिलहरी की भावना से प्रभावित हुए। उन्होंने गिलहरी को गोदी में उठाया और उसकी पीठ पर उँगलियाँ फेरीं। तब से गिलहरी की पीठ पर सफ़ेद रंग की तीन धारियाँ बन गई हैं।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) सीता का अपहरण राक्षसराज रावण ने किया था।
   (ख) गिलहरी मुँह से कंकड़ उठाकर समुद्र में डाल रही थी।
   (ग) वानर सैनिकों लगता था कि छोटे-छोटे कंकड़ों से सेतु बनाने में कोई लाभ नहीं होगा।
   (घ) श्री राम ने वानर सेना के साथ मिलकर सेतु बनाना शुरू किया।

2. (क) एक वानर ने गिलहरी से कहा।

(ख) श्री राम ने गिलहरी से कहा।

(ग) गिलहरी ने श्री राम से कहा।

3. (क) त्रेतायुग (ख) श्री राम के भाई

(ग) सेतु (घ) गिलहरी।

4. (ख) इस पावन कार्य में सबने सहयोग किया।

(ग) एक छोटी गिलहरी ने भगवान का दिल जीत लिया।

(घ) सभी के कार्यों की अपनी अहमियत होती है।

5. (क) श्री राम ने गिलहरी की पीठ पर उँगलियाँ फेरी थीं। तबसे उसकी पीठ पर तीन धारियाँ बन गईं।

(ख) गिलहरी ने कहा कि वह इस नेक कार्य में यथाशक्ति योगदान कर रही थी।

(ग) इस कहानी से शिक्षा मिलती है कि छोटे-से-छोटे कार्य की उपेक्षा नहीं करना चाहिए।

6. श्री राम, सेतु, गिलहरी, अपहरण, मुँह।

7. सच-झूठ, छोटा-बड़ा, माता-पिता, राजा-रानी, उपयोगी-अनुपयोगी, सहयोग-असहयोग।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) जीवन में छोटे-छोटे कार्य भी महत्वपूर्ण होते हैं। छोटा-सा बीज एक दिन विशाल वृक्ष का रूप लेता है। छोटे-से-छोटे काम भी काम ही होते हैं।

(ख) मेरे एक मित्र के पास पुस्तकें खरीदने के लिए रुपए नहीं थे। मैंने अपना जेब खर्च बचाकर उसे पुस्तकें खरीदीं और उसे दीं।

पाठ 9. होली

- **पाठ उद्देश्य**–होली के त्योहार के विभिन्न पक्षों से अवगत कराना।
- **पाठ सार**–होली हर्ष, उल्लास, आनंद और प्रेम का त्योहार है। इसे मनाने की पौराणिक कथा है। हिरण्यकश्यप ने स्वयं को भगवान घोषित किया था। उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का उपासक था। हिरण्यकश्यप ने उसे बहुत समझाया। जब प्रह्लाद नहीं माना तो उसने उसे मारने के लिए अपनी बहन होलिका से कहा। होलिका के पास एक चादर थी जो आग में नहीं जलती थी। वह चादर ओढ़कर प्रह्लाद को गोदी में लेकर आग में बैठ गई। प्रह्लाद नहीं जला, होलिका जलकर मर गई। यह देखकर लोगों ने एक-दूसरे पर रंग फेंककर खुशी मनाई। होली की पूर्व संध्या पर 'होलिका दहन' किया जाता है। अगले दिन अबीर और रंगों से होली खेलते हैं। आपसी वैर भाव भूलकर लोग आपस में मिलते हैं। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का त्योहार है।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) इस दिन लोग एक-दूसरे को अबीर और रंग लगाते हैं। इसलिए इसे रंगों का त्योहार कहा जाता है।

   (ख) होलिका के पास चादर थी जो आग में नहीं जलती थी। होलिका उसे ओढ़ लेती थी, और आग में नहीं जलती थी।

   (ग) यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत के विषय में सिखलाता है।

   (घ) भारतवर्ष में अनेक त्योहार मनाए जाते हैं इसलिए इसे त्योहारों का देश कहा जाता है।

2. (क) हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को मारने की योजना बनाई।

(ख) प्रह्लाद विष्णु-भक्त था।

(ग) होली रंगों का त्योहार है।

(घ) बालक और युवा होली का इंतज़ार करते हैं।

(ङ) प्रह्लाद भगवान विष्णु का उपासक था।

(च) हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को मारने का विचार किया।

(छ) होलिका का वरदान असफल हो गया।

3. (क) और (ख) अच्छी

(ग) बड़ा (घ) बुराई

(ङ) सुर।

4. (क) राष्ट्र, मुल्क, वतन (ख) पुत्र, आत्मज, पूत

(ग) देव, सुर, अमर (घ) प्रणय, स्नेह, अनुराग

(ङ) अनल, अग्नि, पावक।

5. (क) बेटी (ख) देवी

(ग) बच्ची (घ) भतीजी।

6. (क) होली के साथ हिरण्यकश्यप, प्रह्लाद और होलिका की कथा जुड़ी हुई है।

(ख) हिरण्यकश्यप असुर था। प्रह्लाद उसकी पूजा न करके भगवान विष्णु की पूजा करता था। हिरण्यकश्यप के मना करने पर प्रह्लाद न माना इसलिए वह उसे मार डालना चाहता था।

(ग) होलिका प्रह्लाद की बुआ थी। उसे आग से न जलने का वरदान मिला हुआ था।

7. (क) भगवान-भक्त (ख) ज्ञानी
   (ग) बुद्धिमान।
8. (क) कि (ख) की
   (ग) की (घ) कि।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) जब वरदान का दुरुपयोग किया जाता है वह तब अभिशाप बन जाता है। होलिका को आग में न जलने का वरदान मिला हुआ था। उसने इसका दुरुपयोग किया। वह जलकर मर गई, प्रह्लाद बच गया। इस प्रकार वरदान अभिशाप बन गया।

(ख) भारत के प्रमुख त्योहार हैं–विजयदशमी, दीपावली, रक्षाबंधन और होली। विजयदशमी और दीपावली बुराई पर अच्छाई की विजय के त्योहार हैं। रक्षा बंधन भाई-बहन के प्रेम का त्योहार है।

पाठ 10. इनसे सीखो

- **पाठ उद्देश्य**–जीवन से जुड़ी वस्तुओं से सीखने के विषय में अवगत कराना।
- **पाठ सार**–फूलों से हँसना, भौरों से गाना, वृक्ष की टहनियों से सदा सिर झुकाना सीखो। हवा के झोंकों से हिलना, संसार को हिलाना, दूध और पानी से मिलना-मिलाना सीखो। सूरज की किरणों से जागना और जगाना, लताओं और पेड़ों से सबको गले लगाना सीखो। वर्षा की बूँदों से प्रेम बढ़ाना, मेहंदी से अपना रंग चढ़ाना सीखो। मछली से अपने देश के लिए मरना, पतझड़ में पेड़ों से दुःख में धैर्य रखना सीखो। पृथ्वी से प्राणियों की सेवा करना,

दीपक से अँधेरा दूर करना सीखो। जल की धारा से आगे बढ़ना, धुएँ से ऊपर उठना सीखो।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) फूलों से हम हँसना सीखते हैं।
   (ख) वृक्षों की टहनियाँ हमें झुकाना सिखाती हैं।
   (ग) सूरज की किरणें अँधेरा दूर करना सिखाती है।
   (घ) जलधारा हमें निरंतर आगे बढ़ना सिखाती है।

2. जगना और जगाना,
   लता और पेड़ों
   सबसे प्रेम बढ़ाना,
   मेहंदी से सीखो सब।
   स्वदेश के लिए तड़पकर मरना,
   पतझड़ के पेड़ों से
   प्राणी की सच्ची सेवा करना
   दीपक से

3. (क) ऊँचा उठना चाहिए (ख) आगे बढ़ना
   (ग) प्रेम करना (घ) चारों तरफ प्रकाश फैलाना
   (ङ) धैर्य धारण करना।

4. (ख) परदेश (ग) रोना
   (घ) अँधेरा (ङ) अधीर।

5. (ख) पेड़ की लताएँ झुकी हैं।
   (ग) बारिश की बूँदें नीचे गिरीं।
   (घ) मछलियाँ जल में हैं। (ङ) पेड़ों से पत्ते गिर रहे हैं।

6. (क) शीश झुकाने से तात्पर्य है अहंकार दूर होना।
   (ख) भौंरा हमें गाते रहना सिखाता है।
   (ग) मछली से।

7. मिलाना, पानी, किरणें, जगाना, लगाना, बूँदों, पेड़ों।
8. जीवन में सुख-दु:ख आते रहते हैं। भौंरा सिखाता है दोनों स्थितियों में समान रहना चाहिए।
9. फूल हँसना सिखाते हैं और पेड़ धैर्य रखना सिखाते हैं।
10. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
11. सुबह जल्दी उठने से व्यक्ति स्वस्थ रहता है। उसे कार्य करने के लिए अधिक समय मिल जाता है। उसमें ताज़गी बनी रहती है।
12. मित्र के अच्छे गुणों से सीखना चाहेंगे।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) प्रकृति में पहाड़, पेड़, नदियाँ, बादल, हवा आदि होते हैं। ये सभी हमारा भला करते हैं। हमें भी इनकी तरह दूसरों का भला करना चाहिए।

(ख) जीवनपथ का अर्थ है जीवन का रास्ता। इस पथ पर बढ़ने के लिए हमें ईमानदारी से अपने-अपने कार्य करने चाहिए।

पाठ 11. अल्बर्ट आइंस्टीन

- **पाठ उद्देश्य**–अल्बर्ट आइंस्टीन के योगदान से अवगत कराना।
- **पाठ सार**–अल्बर्ट आइंस्टीन की माता निर्धन थीं। एक दिन आइंस्टीन ने स्कूल टीचर का दिया पत्र माँ को दिया। उस पत्र में लिखा था कि आइंस्टीन पढ़ाई में कमज़ोर था। उसे स्कूल से निकाला जाता है। इसका दाखिला किसी अन्य स्कूल में करा दें। माता ने यह बात आइंस्टीन से छिपाई। माँ ने कहा कि पत्र में लिखा है कि आइंस्टीन बहुत प्रतिभाशाली है। इस स्कूल में उसे पढ़ाने योग्य अध्यापक नहीं हैं। उसका दाखिला किसी दूसरे स्कूल में करा दें। आइंस्टीन मन लगाकर पढ़ने लगा। वह बहुत बड़ा वैज्ञानिक बन

गया। माँ की मृत्यु के पश्चात् उसे अलमारी में स्कूल से आया पत्र मिला। उसे तब माँ की महानता का पता चला। आइंस्टीन का जन्म 14 मार्च 1879 को बुटेमबर्ग, जर्मनी में हुआ। सन् 1921 में उन्हें भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला। उनकी मृत्यु 18 अप्रैल 1955 में अमेरिका में हुई।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) आइंस्टीन की माँ लोगों के घरों में बर्तन माँजती थी।
   (ख) वह पुत्र को सत्य नहीं बताना चाहती थी।
   (ग) क्योंकि उसे पहले स्कूल से निकाल दिया गया था।
   (घ) मन लगाकर विज्ञान की पुस्तकें पढ़कर वे महान वैज्ञानिक बने।
2. (क) होशियार (ख) खुश
   (ग) निधन (ध) बुराई
   (ङ) वैज्ञानिक, दर्शनिक।
3. (ग) ✓ (घ) ✓
   (ङ) ✓
4. आशावान, पढ़ाई, सिलाई, बुराई, लिखाई, सुनाई।
5. गमी, बलवान आशा, मूर्ख, विनाश।
6. (क) पत्र में लिखा था कि आइंस्टीन पढ़ाई में कमज़ोर था। उसका मानसिक विकास नहीं हुआ था। उसे किसी अन्य स्कूल में दाखिल कर दें।
   (ख) माँ ने समझाया कि वह बहुत होशियार है। उसे पढ़ाने योग्य शिक्षक स्कूल में नहीं हैं। इसलिए उसका दाखिला अन्य स्कूल में कराया जाएगा।

(ग) कम अंक आने पर बच्चों में निराशा का भाव भर जाता है।

7. (क) 14 मार्च 1879 को जर्मन के बुटेमबर्ग में।

(ख) सन् 1921 में।

(ग) वे पढ़ाई में ज़्यादा अच्छे नहीं थे।

(घ) 18 अप्रैल 1955

(ङ) वे इंजीनियर और सेल्ज़मैन थे।

8. जीवन में सफल होने के लिए पुस्तकीय ज्ञान होना आवश्यक होता है। इसके अतिरिक्त अनुभवों से बहुत अधिक सीखा जा सकता है। सफलता के लिए दोनों का महत्व है।

9. वह शक्ति जिसके द्वारा एक पिंड दूसरे पिंड को अपनी ओर आकृष्ट करता है उसे गुरुत्वाकर्षण कहते हैं। इसकी खोज आइज़क न्यूटन ने की थी।

10. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) आइंस्टीन की माँ ने पुत्र के हित के लिए प्रशंसनीय कार्य किया था। उसके स्थान पर मैं होती तो मैं भी यही करती।

(ख) संभव है कि आइंस्टीन निराश हो जाते और इतने महान वैज्ञानिक न बन पाते।

पाठ 12. राजा राजमोहन राय

◆ **पाठ उद्देश्य**–राजा राममोहन राय और उनके सामाजिक कार्यों से परिचित कराना।

◆ **पाठ सार**–राजा राममोहन का जन्म 22 मई 1772 और निधन 27

सितंबर 1833 को हुआ था। उन्हें आधुनिक भारत का जनक कहा जाता है। उन्होंने बाल विवाह और सती प्रथा का विरोध किया। उनके प्रयासों से सन् 1829 में सती प्रथा पर रोक लगाई गई। उन्होंने विधवा विवाह का समर्थन किया। उनके पिता रामकंतो राय कट्टर वैष्णव ब्राह्मण थे। पिता के साथ मतभेद होने पर उन्होंने घर छोड़ दिया, फिर विश्व भ्रमण किया। सन् 1803 में पिता की मृत्यु के पश्चात् उन्होंने कोलकाता में ज़मींदारी का काम संभाला।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) राजा राममोहन राय का जन्म 22 मई 1772 को बंगाल में हुआ।
   (ख) उनके पिता की मृत्यु सन् 1803 में हुई।
   (ग) सती प्रथा पर सन् 1829 में रोक लगाई गई।
   (घ) राजा मोहन राय की मृत्यु 27 सितंबर 1833 को हुई।
2. (क) तैरिनी (ख) पंद्रह वर्ष
   (ग) बाल-विवाह (घ) सन् 1803
   (ङ) सन् 1814
3. लड़कियों, बुराइयों, स्त्रियों।
4. (क) प्रसिद्धि (ख) पिता
   (ग) महान पुरुष (घ) छोटी
   (ङ) मृत्यु।
5. (क) हिंदुस्तान, भारतवर्ष, इंडिया
   (ख) संसार, दुनिया, जग (ग) वामा, बहू, दुल्हन
   (घ) गृह, भवन, निकेतन (ङ) नृप, नरेश, महीप
   (च) भगवान, प्रभु, ईश।

6. (क) बाल्यावस्था में विवाह कराने की प्रथा।

(ख) पति की मृत्यु के पश्चात् उसके साथ ही पत्नी को जला देना। इस पर सन् 1829 में रोक लगी।

(ग) उनके पिता रामकंतो राय वैष्णव ब्राह्मण थे। उनकी माता तैरिनी थी। उनका बाल विवाह हुआ था। उनकी पत्नियों का देहांत हो गया था।

7. (ख) 1 (ङ) 2 (क) 3 (घ) 4 (ग) 5

मूल्याधारित प्रश्न

कुरीतियों का अर्थ बुरे रीति-रिवाज हैं। इनके कारण समाज का विकास नहीं होता। कुरीतियों से पुरुष और महिलाओं में भेदभाव होता है। बाल विवाह और सती प्रथा की कुरीतियों का विरोध राजा राममोहन राय ने किया। जातिगत भेद करना भी कुरीति है। इनका विरोध करना चाहिए।

पाठ 13. बकरी का मंदिर

- **पाठ का उद्देश्य**–भला करने का परिणाम सुखद होता है, इससे परिचित कराना।
- **पाठ सार**–गोमती जंगल में घास काट रही थी। उसके पास एक घायल बकरी आ गई। बकरी को बोलते देख गोमती को आश्चर्य हुआ। उसे घर लाकर गोमती ने उसकी टाँग पर दवा लगाई। उसके पति और बेटा-बेटी ने बकरी की सेवा की। बकरी ठीक हो गई। उसके आने से घर में चहल-पहल हो गई। एक दिन गोमती उसे घुमाने ले गई। बकरी भागती गई, गोमती भी उसके पीछे दौड़ती रही। घने जंगल में आकर बकरी पेड़ के नीचे रुक गई। उसने कहा हम यहाँ आएँगे और प्रतिदिन एक अशर्फ़ी पाएँगे। गोमती प्रतिदिन बकरी के साथ जंगल में जाती। उसे पेड़ के नीचे एक अशर्फ़ी

मिल जाती। धीरे कुछ समय में वह धनी हो गई। उसने नया मकान बनवाया। बच्चों को पढ़ाने लगी। एक दिन गोमती बकरी के साथ जंगल गई। बकरी ने कहा यहाँ खज़ाना है। इसे ले जाओ। मैं अब तुम्हारे साथ नहीं आऊँगी। गोमती ने अशर्फ़ियों से भरा घड़ा उठा लिया। बकरी गायब हो गई। गोमती घर आई। गोमती ने गाँव में स्कूल खुलवाया। मंदिर बनवाया। मंदिर के दरवाज़े के पास बकरी की मूर्ति बनवाई। वह मंदिर 'बकरी का मंदिर' के नाम से जाना जाने लगा।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) वह घास काटने गई थी।
   (ख) वह सोचने लगी कि बकरी कहीं भूत तो नहीं थी।
   (ग) वह बच्चों को बहुत बड़े अफ़सर बनाना चाहती थी।
   (घ) गोमती ने नया मकान बनवाया और खेत खरीदा।
   (ङ) ने दोनों परिश्रमी और ईमानदार थे।
   (च) उसने गाँव में स्कूल खुलवाया और मंदिर बनवाया।
2. (क) गोमती बकरी को घुमाने ले गई।
   (ख) गोमती थककर रुक गई।
   (ग) बकरी को बोलते देखकर गोमती को आश्चर्य हुआ।
   (घ) बकरी घायल थी।
   (ङ) मंदिर का नाम 'बकरी का मंदिर' पड़ गया।
3. (क) साहसी (ख) बेवकूफ़
   (ग) बैठना (घ) छोड़ना
   (ङ) शाम (च) पालतू।

4. (क) दुग्ध, पथ (ख) निर्धन, रंक
(ग) गृह, निकेतन (घ) देवालय, देवगृह
(ङ) पुत्र, आत्मज (च) प्रातः, भोर
(घ) पशु, मवेशी।

5. (क) अशर्फ़ियों (ख) खेतों
(ग) बकरियाँ (घ) पतियों
(ङ) बेटे (च) पुत्रियाँ।

6. (क) मूर्ख (ख) डर जाना
(ग) बहुत प्रिय (घ) हार मानना
(ङ) व्यर्थ काम करना (च) बुरा-भला कहना।

7. बालपन, हरापन, पीलापन।

8. (क) स्त्रीलिंग (ख) स्त्रीलिंग
(ग) पुल्लिंग (घ) पुल्लिंग
(ङ) स्त्रीलिंग (च) पुल्लिंग।

9. मूँछ, मूली, मूर्ख, मूक, मूठ।

10. उस खज़ाने का सदुपयोग करूँगी। उस धन से निर्धनों की सहायता करूँगी। निर्धन विद्यार्थियों को अच्छे विद्यालयों में पढ़ाऊँगी।

11. मैं हरिद्वार गई थी। वह प्रसिद्ध तीर्थस्थान है। उसका धार्मिक महत्व है। वहाँ बहती गंगा में स्नान करने से पुण्य मिलते हैं। हर की पौड़ी पर सुंदर प्राचीन मंदिर है।

12. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

पाठ 14. बादल हैं किसके काका

- **पाठ उद्देश्य**–बादल और प्रकृति के विषय में परिचित कराना।
- **पाठ सार**–अभी-अभी धूप भी, अचानक वर्षा केसे होने लगी? बादल रूपी घड़ों को किसने फोड़ दिया। सूरज ने घर का दरवाज़ा क्यों बंद कर लिया है? क्या उसकी माँ ने उसे बुला लिया है? बादल ज़ोर-ज़ोर से गरज रहे हैं। वे किसके काका हैं? वे किसे डाँट रहे हैं? किसने माँ का कहना नहीं माना है? हे माँ, बिजली के आँगन में इतनी तलवारें कैसे चमक रही हैं? फिर भी उनके हमले बेकार क्यों जा रहे हैं? क्या वे अभी तक तलवार चलाना नहीं सीख पाए? क्या सीखने के लिए आसमान में आए हैं? हे माँ, मुझे एक बार बिजली के घर जाने दो। मुझे उसके बच्चों को तलवार चलाना सिखाने दो। बिजली प्रसन्न होकर मुझे चमकती तलवार देगी। तब कोई भी अपने ऊपर अत्याचार न होने देगा। तब पुलिस वाले अपने काका को पकड़ने नहीं आएँगे। तलवार देखकर वे डर जाएँगे। यदि तुम चाहती हो तो काका अब जेल न जाएँ तो मुझे जल्दी से बिजली के घर पहुँचा देना। माँ पुत्री से कहती है कि मैं तुझे तलवार मँगवा दूँगी। अब काका जेल नहीं जाएँगे। अब तुम बिजली के घर जाने का विचार छोड़ दो।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) वर्षा होने के कारण सूरज की माँ ने उसे बुला लिया।
   (ख) शायद किसी बालक ने अपनी माँ का कहना नहीं माना है।
   (ग) क्योंकि उन्होंने तलवार चलाना ठीक तरह नहीं सीखा है।
   (घ) वह बिजली के बच्चों को तलवार सिखाना चाहती है।
2. (क) क्यों (ख) किसके
   (ग) कहाँ (घ) किसने

(ङ) किसको, किसने।

3. (क) मेघ, नीरद, जलधर (ख) जल, वारि, नीर

(ग) द्वार, किवाड़, कपाट (घ) शीघ्र, तुरंत, झटपट

(ङ) विद्युत, चपला, चंचला (च) गृह, निकेतन, भवन।

4. जल्दी-जल्दी, धीरे-धीरे, शनैः-शनैः, ऊपर-ऊपर, अंदर-अंदर, ठहर-ठहर, चल-चल, पल-पल, मुड़-मुड़, रुक-रुक, कह-कह, सह-सह।

5. सूर्य, मातृ, विद्युत, कार्य, पितृ।

6. (क) बादलों को

(ख) पुलिसवाले

(ग) बादलों के कारण सूरज नहीं दिख रहा।

7. बेटी माँ से कहती है कि वह उसे बिजली के बच्चों को तलवार चलाना सिखाने के लिए उसके घर जाने दे।

8. हे माँ, यदि तुम चाहती हो कि काका अब जेल न जाएँ तो मुझे जल्दी से बिजली के घर पहुँचा देना।

9. वास्तव में अंग्रेज़ शासक भारतीयों पर अत्याचार करते थे। वे अंग्रेज़ सरकार का विरोध करने वालों को जेल में डाल देते थे। कवयित्री ने अप्रत्यक्ष रूप से इसे पुत्री के माध्यम से कहा है।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) उस समय बादल छा गए होंगे। वर्षा हो रही होगी। सूरज छिप गया होगा।

(ख) अभी-अभी सूरज निकला हुआ था। अब बादलों में छिप गया है। वर्षा बंद होते ही वह फिर निकल आया है।

पाठ 15. सूर्य मंदिर

- **पाठ उद्देश्य**–कोणार्क के सूर्य मंदिर से परिचित कराना।
- **पाठ सार**–ओडिशा के कोणार्क में सूर्य मंदिर है। सन् 1984 में इसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर की मान्यता दी है। श्री कृष्ण के पुत्र ने यहाँ बारह वर्ष तक सूर्य की पूजा की थी। सूर्यदेव ने उनके कुष्ठ रोग को ठीक कर दिया था। तब सांब ने यह मंदिर बनवाया था। इसे पुनः राजा नृसिंह ने बनवाया। इसमें रथ है जिसे सात जोड़ी घोड़े खींच रहे हैं। इसमें बारह जोड़ी पहिए हैं। रथ के बीच सूर्य देव हैं। वर्तमान में केवल एक घोड़ा बचा है। यह कलिंग शैली का मंदिर है। यह मंदिर टूट गया है। फिर भी पर्यटक देखने आते हैं।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) इसमें बारह जोड़ी चक्र और सात जोड़ी घोड़े हैं।
   (ख) यूनेस्को ने सन् 1984 में इसे विश्व धरोहर के रूप में मान्यता दी थी।
   (ग) कोणार्क जहाँ पत्थरों की भाषा, मनुष्य की भाषा से श्रेष्ठतर है।
   (घ) बारह जोड़ी चक्र बारह महीने दर्शाते हैं।
2. (क) कोणार्क सूर्य मंदिर
   (ख) सूर्यदेव (ग) ओडिशा के कोणार्क में
   (घ) काला ग्रेनाइट (ङ) रथ को
   (च) वास्तु दोष और विदेशी आक्रांता।
3. (क) 1984 में (ख) कुष्ठ रोग
   (ग) बलुआ पत्थर (घ) सूर्य
   (ङ) कलिंग शैली

4. बारह, सात, बारह, काला, जर्जर।

5. रोगी-निरोगी, श्राप-वरदान, देव-दानव, प्रसन्न-अप्रसन्न, दोष-गुण, अतीत-वर्तमान।

6. (क) यहाँ श्री कृष्ण पुत्र सांब ने कुष्ठ रोग से मुक्ति पाने के लिए बारह वर्षों तक सूर्यदेव की तपस्या की थी।

   (ख) कलिंग शैली में बने मंदिर में तीन मंडप थे। अब एक बचा है। यहाँ सूर्यदेव की तीन मूर्तियाँ हैं।

   (ग) वास्तु दोष और विदेशी आक्रांता।

7. (क) कोणार्क मंदिर भारत की धरोहर है।

   (ख) मंदिर का सौंदर्य।

   (ग) यह सूर्यदेव को समर्पित मंदिर है।

   (घ) सांब को कुष्ठ रोग हो गया था।

   (ङ) मनुष्य की भाषा से सुंदर इस मंदिर के पत्थरों की भाषा है।

   (च) कोणार्क सूर्यदेव का मंदिर है।

   (छ) अब यह जर्जर हो गया है।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) वास्तुकला की दृष्टि से यह अद्‌भुत कलात्मक मंदिर है। इस मंदिर का रथ, चक्र, घोड़े और सूर्यदेव की मूर्तियों का संरचना प्रशंसनीय है।

(ख) सूर्य की उपासना से व्यक्ति स्वस्थ रहता है। उसमें ताज़गी बनी रहती है।

16. महात्मा बुद्ध और अंगुलिमाल

- **पाठ उद्देश्य**–अंगुलिमाल के माध्यम से अहिंसा के महत्व से अवगत कराना।
- **पाठ सार**–अंगुलिमाल जंगल से निकलने वालों को लूटकर मार देता था। उनकी एक उँगली काटकर अपनी माला में लगा लेता था। वह एक हज़ार उँगलियों की माला बनाना चाहता था। एक बार बुद्ध एक गाँव में पहुँचे। लोगों को भयभीत देख उन्होंने इसका कारण पूछा। गाँववासियों को अंगुलिमाल के आतंक से मुक्त कराने के लिए वे जंगल में गए। उन्हें अंगुलिमाल ने रुकने के लिए कहा। उन्होंने रुककर कहा कि मैं तो ठहर गया हूँ तुम कब ठहरोगे? तुम अपने आपको सबसे शक्तिशाली मानते हो तो इस पेड़ की टहनी से पत्ता तोड़ लाओ। अंगुलिमाल पत्ता तोड़ लाया। अंगुलिमाल पत्ता तोड़ लाया तो बुद्ध ने कहा कि इसे वापस वहीं लगा दो। अंगुलिमाल ने कहा यह असंभव है। तब बुद्ध ने समझाया कि जब तुम किसी वस्तु को जोड़ नहीं सकते तो उसे तोड़ने का अधिकार किसने दिया है? तुमने जितने लोगों को मारा है क्या उन्हें जीवित कर सकते हो? अंगुलिमाल की आँखें खुल गईं। उसने हिंसा का मार्ग त्याग दिया और बुद्ध का शिष्य बन गया।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) अंगुलिमाल डाकू था। वह मगध राज्य में रहता था।
   (ख) महात्मा बुद्ध ने पत्ता तोड़कर लाने के लिए कहा।
   (ग) क्योंकि महात्मा बुद्ध उससे डरे नहीं था।
   (घ) अंगुलिमाल का काला शरीर विशालकाय था, उसके बाल बढ़े हुए थे। उसने गले में उँगलियों की माला पहनी हुई थी।

2. (क) दूभर (ख) बढ़े हुए
   (ग) डाकू अंगुलिमाल (घ) ताकतवर
   (ङ) उखाड़ना।
3. (क) मगध में (ख) एक हज़ार
   (ग) उसके क्षमा माँगने से (घ) एक पत्ता
   (ङ) संयासी
4. मुस्कराते, महात्मा, शक्तिशाली, संयासी, अंगुलिमाल।
5. (क) अंगुलिमाल ने महात्मा बुद्ध से
   (ख) महात्मा बुद्ध ने अंगुलिमाल से
   (ग) अंगुलिमाल ने महात्मा बुद्ध से
   (घ) महात्मा बुद्ध ने अंगुलिमाल से।
6. (क) वह यात्री को मारकर उसकी एक उँगली माला में डाल लेता था, इसलिए उसका नाम अंगुलिमाल पड़ गया।
   (ख) अंगुलिमाल के क्षमा माँगने पर महात्मा बुद्ध का हृदय द्रवित हो गया।
   (ग) वह महात्मा बुद्ध का शिष्य बना और संयासी हो गया।
7. पत्र, रात्रि, कार्य।
8. (क) एक पत्ता तोड़ने में क्या है?
   (ग) ऐ संयासी! तू पागल है क्या?
   (घ) तोड़े हुए पत्ते को वापस कैसे जोड़ दूँ?

मूल्याधारित प्रश्न

(क) मनुष्य के जीवन में परिस्थितियों का बहुत महत्व होता है। निरंतर संघर्षों से गुज़रने पर मनुष्य कठोर हो जाता है।

(ख) यदि अंगुलिमाल को महात्मा बुद्ध न मिलते तो वह संयासी नहीं बन पाता।

पाठ 17. मूर्ख कौन

- **पाठ उद्देश्य**–पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी होना चाहिए, इसका बोध कराना।
- **पाठ सार**–चार मित्र आजीविका के लिए जा रहे थे। तीन मित्र तो विद्वान थे परंतु एक अशिक्षित था। दो मित्र उसे साथ नहीं ले जाना चाहते थे। तीसरे ने उसे ले चलने के लिए कहा। वे एक घने जंगल से जा रहे थे। उन्होंने एक जानवर का कंकाल देखा। एक ने कहा–मैं इसकी हड्डियों का ढाँचा तैयार कर सकता हूँ। दूसरे ने कहा कि वह उस पर मांस, मज्जा और रक्त भरकर चमड़ी चढ़ा सकता है। तीसरे ने कहा कि मैं इसमें प्राण डाल सकता हूँ। दोनों ने अपना काम कर दिया। तीसरा उसमें प्राण डालने लगा तो चौथे ने कहा कि यह शेर है। जीवित होकर यह हमें खा जाएगा। इसमें प्राण मत डालो। तीसरे ने उसकी बात नहीं मानी। अनपढ़ मित्र पेड़ पर चढ़ गया। शेर में प्राण डाले गए। उसने तीनों मित्रों को खा लिया।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) कहानी में चार मित्र हैं। तीन विद्वान हैं।
   (ख) वे आजीविका के लिए किसी अन्य नगर में जाने के लिए विचार-विमर्श कर रहे थे।
   (ग) उन्होंने एक कंकाल देखा।
   (घ) क्योंकि वह अनपढ़ था। उसे कोई काम नहीं मिल पाता।
2. (क) ✓ (ख) ✗

(ग) ✗ (घ) ✓

(ङ) ✗ (च) ✓

3. पंडिताइन, नागरी, विदुषी, शेरनी, रानी, नौकरानी।

4. (क) पहले मित्र ने दोनों मित्रों से कहा।

(ख) दूसरे पंडित ने दोनों पंडितों से कहा।

(ग) दूसरे मित्र ने दोनों मित्रों से कहा।

(घ) तीसरे मित्र ने दोनों मित्रों से कहा।

5. (क) दुश्मनी (ख) मूर्ख

(ग) समाधान (घ) मृत

(ङ) यौवन (च) सीधा।

6. (क) कंकाल का ढाँचा बनाकर

(ख) तीसरे मित्र ने

(ग) पेड़ पर चढ़कर।

7. (क) दोस्त, सखा, संगी (ख) पंडित, ज्ञानी, ज्ञानवान

(ग) परिकल्पना, रूपरेखा, कार्यव्यवस्था

(घ) अज्ञानी, जड़, मूढ़।

8. (क) तीन मित्र विद्वान थे।

(ख) मित्रों के समक्ष जीविका की समस्या थी।

(ग) बचपन के दिन अविस्मरणीय होते हैं।

(घ) जानवर का ढाँचा तैयार हो गया।

(ङ) तीसरे मित्र ने ढाँचे में प्राण भर दिए।

(च) जंगल में कंकाल पड़ा था।

मूल्याधारित प्रश्न

(क) मित्रता का अर्थ ही संकट में एक-दूसरे के काम आना होता है। मित्रता नि:स्वार्थ भाव से की जाती है। संकट सच्ची मित्रता की कसौटी होते हैं।

(ख) गुरु के बिना ज्ञान प्राप्त करना असंभव होता है। वर्तमान समय की शिक्षा-प्रणाली में शिक्षक गुरु के रूप हैं। वे विद्यार्थियों को अक्षर ज्ञान से लेकर उच्च शिक्षा का ज्ञान देते हैं। गुरु के बिना ज्ञान प्राप्त करने के विषय में सोचा भी नहीं जा सकता।

पाठ 18. कौन तुम्हें अच्छा लगता है

- **पाठ उद्देश्य**–तोते के माध्यम से स्वतंत्र जीवन की श्रेष्ठता समझाना।
- **पाठ सार**–तुम्हें कौन अच्छा लगता है? आकाश में उड़ने वाला, टें-टें करने वाला, पेड़ों पर सो जाने वाला, किसी भी फल को खा जाने वाला तोता। वह तोता जो डाली-डाली पर उड़कर अपने बच्चों की रक्षा करता है, वन में उड़ता है, बाग में आता है, कुतर-कुतरकर कच्चे फल खाता है, नदी का ठंडा पानी पीता है और जंगल में मनमानी करता है। क्या वह अच्छा लगता है? दूसरी प्रकार का तोता जो प्रतिदिन दूध-भात खाता है, पिंजड़े में सोता है, दिन भर राम-राम कहता है, जो कभी जंगल में नहीं उड़ सका, जो आँगन में भी नहीं उड़ सकेगा, जिसने कुछ नहीं करना, पिंजड़े में ही जीना और मरना है। तुम्हें इन दोनों में से कौन-सा तोता अच्छा लगता है–बंदी तोता या आज़ाद तोता।

पाठ मूल्यांकन उत्तर

1. (क) पिंजड़े में बंद और वन में स्वतंत्र रहने वाले तोते में।

(ख) वह जंगल में मिलने वाले फलों को कुतर-कुतरकर खाता है। पिंजड़े में रहने वाला दाल-भात आदि स्वादिष्ट भोजन करता है।

(ग) जंगल में रहने वाला मनमानी से आवाज़ें निकालता है। पिंजड़े का तोता राम-राम बोलता है।

(घ) रामेश्वर गुरु 'कवि हृदय'

2. नभ में उड़ने वाला तोता
पेड़ों पर जो सो जाता है
करता बच्चों की रखवाली
कुतर कुतर कच्चे फल खावे

3. (क) पिंजड़े का तोता दूध-भात खाता है।
(ख) तोता वन में कच्चे फल खाता है।
(ग) तोता आँगन में नहीं उड़ सकेगा।
(घ) आग का ताप सहना कठिन होता है।
(ङ) पिंजड़ा तोते का घर बन गया।
(च) तोता नदी का ठंडा पानी पीता है।

4. (क) बुरा (ख) पाताल
(ग) जागना (घ) पक्का
(ङ) गरम (च) मरना।

5. (क) नभ, गगन, आसमान (ख) तरु, वृक्ष, पादप
(ग) जल, नीर, वारि (घ) सदा, सदैव, नित्य।

6. उठना-बैठना, पढ़ना-लिखना, गाना-बजाना।

7. (क) तोते (ख) पेड़ों
(ग) बच्चे (घ) पिंजड़े।

8. (क) पुल्लिंग (ख) पुल्लिंग
   (ग) पुल्लिंग (घ) स्त्रीलिंग
   (ङ) पुल्लिंग (च) पुल्लिंग।
9. पापड़, पागल, पाप।
10. स्वतंत्र रहने वाला तोता अच्छा लगता है। वह अपनी इच्छा से जीता है। वह परतंत्र नहीं है। वह अपनी पसंद के फल खाता है।
11. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
12. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।